यू.पी.सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

जनवरी JANUARY 2025

SUN रवि	MON सोम	TUE मंगल	WED बुध	THU गुरु	FRI शुक्र	SAT शनि
6 गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती	13 लोहड़ी	14 मकर संक्रान्ति	1 पौ. शु. द्वितीया	2 तृतीया	3 चतुर्थी	4 पंचमी
5 षष्ठी	6 सप्तमी	7 अष्टमी	8 नवमी	9 दशमी	10 एकादशी	11 द्वादशी / त्रयोदशी
12 चतुर्दशी	13 पूर्णिमा	14 माघ कृ.प्रतिपदा	15 द्वितीया	16 तृतीया	17 चतुर्थी	18 पंचमी
19 पंचमी	20 षष्ठी	21 सप्तमी	22 अष्टमी	23 नवमी	24 दशमी	25 एकादशी
26 द्वादशी	27 त्रयोदशी	28 चतुर्दशी	29 अमावस्या	30 माघ शु.प्रतिपदा	31 द्वितीया	26 गणतन्त्र दिवस

जनवरी के मुख्य कृषि कार्य

- गेहूं में दूसरी सिंचाई बुवाई के 40–45 दिन बाद कल्ले निकलते समय और तीसरी सिंचाई बुवाई के 60–65 दिन बाद गांठ अनने की अवस्था पर करें।
- गेहूंसा गेहूं के मामा (फ्लोरिश माइनर) की रोकथाम के लिये खरपतवार नाशक का छिड़काव करना चाहिए।
- मटर में बुकनी रोग (पाउडरी मिल्ड्यू) की रोकथाम के लिये प्रति हैक्टेयर घुलनशील गंधक 3.0 किग्रा 800 लीटर पानी में घोलकर 10–12 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।
- जौ में दूसरी सिंचाई, बुवाई के 55–60 दिन बाद गांठ बनने की अवस्था पर करें।
- मसूर बुवाई के 45 दिन बाद पहली हल्की सिंचाई करें। ध्यान रखें, खेत में पानी खड़ा न रहे।
- तोरिया की फसल पकने पर कटाई कर लें। विलम्ब करने पर दानों के गिरने का भय रहता है।
- राई–सरसों में दाना भरने की अवस्था में दूसरी सिंचाई करें।
- माहू कीट नियंत्रण के लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करें।

SYMBOL OF QUALITY AND PROSPERITY * U.P. SEED DEVELOPMENT CORPORATION * UP SEED

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी-973 / 74 बी, अयोध्या रोड , महानगर, लखनऊ
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow
CIN : U01122UP2002SGC026490

फोन : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई–मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

यू.पी.सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

फरवरी FEBRUARY 2025

SUN रवि	MON सोम	TUE मंगल	WED बुध	THU गुरू	FRI शुक्र	SAT शनि
3 बसंत पंचमी	12 संत रविदास जयंती	26 महाशिवरात्रि				1 तृतीया
2 चतुर्थी	3 पंचमी	4 षष्ठी / सप्तमी	5 अष्टमी	6 नवमी	7 दशमी	8 एकादशी
9 द्वादशी	10 त्रयोदशी	11 चतुर्दशी	12 पूर्णिमा	13 फाल्गुन कृ.प्रतिपदा	14 द्वितीया	15 तृतीया
16 चतुर्थी	17 पंचमी	18 षष्ठी	19 सप्तमी	20 सप्तमी	21 अष्टमी	22 नवमी
23 दशमी	24 एकादशी	25 द्वादशी	26 त्रयोदशी	27 चतुर्दशी	28 अमावस्या फाल्गुन शु.प्रतिपदा	

फरवरी के मुख्य कृषि कार्य

- गेहूं में अनावृत कण्डवे की रोगी बाली, जो खेत में जल्दी निकल आती है, दिखाई देते ही उसे निकाल कर जला दें।
- जौ में तीसरी सिंचाई दुग्धावस्था में बुवाई के 95–100 दिन बाद करें।
- खेत में यदि कण्डुआ रोग से ग्रस्त बाली दिखाई दे तो उसे निकाल कर जला दें।
- गेहूंसा या गेहूं के मामा (फ्लोरिश माइनर) एवं जंगली जई के पौधे दिखाई देने पर उसे निकाल दें।
- चने की फसल को फली छेदक कीट से बचाव के लिये फली बनना शुरू होते ही कीटनाशक दवाओं का 15 दिन के अन्तराल पर 2 बार छिड़काव करें।
- चना में फूल आने से पहले सिंचाई कर दें।
- चने की फसल में झुलसा रोग के रोकथाम के लिए रसायन का छिड़काव करें।
- चना/मसूर में जाड़े की वर्षा न हुई हो तो फलियां बनते समय हल्की सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी।
- मटर में बुकनी रोग (पाउडरी मिल्ड्यू) रोग की रोकथाम हेतु फफूंदीनाशक दवा का प्रयोग करें।
- राई में माहू कीट की रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करें।
- बसन्तकालीन मक्का की बुवाई पूरे माह की जा सकती है।

UP SEED

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी-973 / 74 बी, अयोध्या रोड , महानगर, लखनऊ
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow
CIN : U01122UP2002SGC026490

फोन : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई–मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

यू.पी.सीड का संकल्प – उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

मार्च MARCH 2025

SUN रवि	MON सोम	TUE मंगल	WED बुध	THU गुरु	FRI शुक्र	SAT शनि
30 चैत्र शु.प्रतिपदा	31 द्वितीया	13 होलिका दहन	14 होली	30 वासंतीय नवरात्र	31 ईद	1 द्वितीया
2 तृतीया	3 चतुर्थी	4 पंचमी	5 षष्ठी	6 सप्तमी	7 अष्टमी	8 नवमी
9 दशमी	10 एकादशी	11 द्वादशी	12 त्रयोदशी	13 चतुर्दशी	14 पूर्णिमा	15 चैत्र कृ.प्रतिपदा
16 द्वितीया	17 तृतीया	18 चतुर्थी	19 पंचमी	20 षष्ठी	21 सप्तमी	22 अष्टमी
23 नवमी	24 दशमी	25 एकादशी	26 द्वादशी	27 त्रयोदशी	28 चतुर्दशी	29 अमावस्या

मार्च के मुख्य कृषि कार्य

- गेहूं की बुवाई के समय के अनुसार दाने की दुग्धावस्था में 5वीं सिंचाई बुवाई के 100–105 दिन की अवस्था पर और छठी व अन्तिम सिंचाई बुवाई 115–120 दिन बाद दाने भरते समय करें।
- जौ की बुवाई देर से हो तो इसमें तीसरे और अन्तिम सिंचाई दुग्धावस्था में बुवाई के 95–100 दिन की अवस्था में करें।
- चनें की फसल में दाने बनने की अवस्था में सिंचाई करें।
- फलीछेदक कीट की रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करें।
- धान के खेतों में बोई गई मसूर की फसल में यदि वर्षा न हो तो एक हल्की सिंचाई फली आने के समय करनी चाहिए।
- बसन्त ऋतु की मूंग व उर्द की बुवाई के लिए यह माह अच्छा है।
- इस समय उर्द व मूंग के लिए प्रति हेक्टेयर 16–20 किग्रा बीज की आवश्यकता होगी।
- उर्द की बुवाई 25 सेमी दूर कतारों में तथा मूंग की बुवाई 30 सेमी दूर कतारों में करें।

SYMBOL OF QUALITY AND PROSPERITY * U.P. SEED DEVELOPMENT CORPORATION *
UP SEED

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी-973 / 74 बी, अयोध्या रोड , महानगर, लखनऊ
सीआईएन : U01122UP2002SGCO26490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow
CIN : U01122UP2002SGCO26490

फोन : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई–मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

यू.पी.सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

अप्रैल APRIL 2025

SUN रवि	MON सोम	TUE मंगल	WED बुध	THU गुरू	FRI शुक्र	SAT शनि
6 रामनवमी	10 महावीर जयंती	1 तृतीया	2 चतुर्थी / पचंमी	3 षष्ठी	4 सप्तमी	5 अष्टमी
6 नवमी	7 दशमी	8 एकादशी	9 द्वादशी	10 त्रयोदशी	11 चतुर्दशी	12 पूर्णिमा
13 वैशाख कृ.प्रतिपदा	14 प्रतिपदा	15 द्वितीया	16 तृतीया	17 चतुर्थी	18 पंचमी	19 षष्ठी
20 सप्तमी	21 अष्टमी	22 नवमी	23 दशमी	24 एकादशी	25 द्वादशी	26 त्रयोदशी / चतुर्दशी
27 अमावस्या	28 वैशाख शु.प्रतिपदा	29 द्वितीया	30 तृतीया	डॉ0 अम्बेडकर 14 जयंती		

अप्रैल के मुख्य कृषि कार्य

- गेहूं की फसल पककर तैयार होने को है। उसकी समय से कटाई–मड़ाई का प्रबन्ध कर लें।
- फसल काटने से पहले जौ, जंगली जई या गेहूं की अन्य प्रजातियों की बालियों को निकाल देना चाहिए, जिससे मड़ाई के समय इनके बीज गेहूं के बीज में न मिलने पायें।
- जौ, चना, मटर, सरसों व मसूर आदि की कटाई व मड़ाई पूरी कर लें।
- उर्द की बुवाई का समय अब निकल गया है। परन्तु मूंग की बुवाई 10 अप्रैल तक की जा सकती है।
- मूंग की बुवाई के लिए प्रति हेक्टेयर 16–20 किग्रा बीज आवश्यक होगा।
- मूंग की बुवाई 30 सेमी दूर कतारों में करें तथा बुवाई के समय 100 किग्रा प्रति हेक्टेयर डी.ए.पी. उर्वरक प्रयोग करें।
- उर्द एवं मूंग की पहले बोई गई फसल में बुवाई के 25–30 दिन बाद पहली सिंचाई करें तथा ओट आने पर निराई–गुड़ाई कर दें।
- उर्द/मूंग की फसल में पत्ती खाने वाले कीटों की रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करें।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

UP SEED

सी-973 / 74 बी, अयोध्या रोड , महानगर, लखनऊ
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow
CIN : U01122UP2002SGC026490

फोन : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई–मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

यू.पी.सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

मई MAY 2025

SUN रवि	MON सोम	TUE मंगल	WED बुध	THU गुरू	FRI शुक्र	SAT शनि
			बुद्ध पूर्णिमा 12	1 चतुर्थी	2 पंचमी	3 षष्ठी
4 सप्तमी	5 अष्टमी	6 नवमी	7 दशमी	8 एकादशी	9 द्वादशी	10 त्रयोदशी
11 चतुर्दशी	12 पूर्णिमा	13 ज्येष्ठ कृ.प्रतिपदा	14 द्वितीया	15 तृतीया	16 चतुर्थी	17 पंचमी
18 षष्ठी	19 सप्तमी	20 अष्टमी	21 नवमी	22 दशमी	23 एकादशी	24 द्वादशी
25 त्रयोदशी	26 चतुर्दशी	27 अमावस्या	28 ज्येष्ठ शु.प्रतिपदा द्वितीया	29 तृतीया	30 चतुर्थी	31 पंचमी

मई के मुख्य कृषि कार्य

- गेहूं भण्डारण के लिए कड़ी धूप में इतना सुखाना चाहिए कि उसमें नमी की मात्रा 8–10 प्रतिशत से अधिक न रहे।
- भण्डारणगृह को कीटनाशी से विसंक्रमित कर लें।
- यदि अनाज की बोरियों में भरकर रखना हो तो नीचे पर्याप्त मात्रा में भूसे व नीम की सूखी पत्ती की तह बिछा दें तथा बोरे को दीवार से 50 सेमी दूर रखें।
- गर्मी में बोई गई मूंग, उर्द की फसल में 12–15 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करते रहें।
- हरी खाद के लिए ढैंचा या सनई की बुवाई भूमि की उर्वरता बढ़ाने के लिए करें।
- भूमि में पोषक तत्वों की कमी जानने के लिए मृदा परीक्षण करवा लें।
- भूमि का समतलीकरण कर लें, जिससे सिंचाई के समय पानी पूरे खेत में एक समान फैले।
- रबी फसल की कटाई के बाद मिट्टी पलटने वाले हल से गर्मी की जुताई करना लाभदायक होगा।
- गर्मी की जुताई से खरपतवार की संख्या मे कमी होती है, साथ ही हानिकारक कीड़े भी नष्ट हो जाते है और भूमि की पानी रोकने व सोखने की क्षमता भी बढ़ जाती है।
- धान की देर से पकने वाली प्रजातियों की नर्सरी माह के अन्तिम सप्ताह में डाली जा सकती है।

SYMBOL OF QUALITY AND PROSPERITY * U.P. SEED DEVELOPMENT CORPORATION * UP SEED

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी-973 / 74 बी, अयोध्या रोड , महानगर, लखनऊ
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow
CIN : U01122UP2002SGC026490

फोन : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई–मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

यू.पी.सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

जून JUNE 2025

SUN रवि	MON सोम	TUE मंगल	WED बुध	THU गुरु	FRI शुक्र	SAT शनि
1 षष्ठी	2 सप्तमी	3 अष्टमी	4 नवमी	5 दशमी	6 एकादशी	7 द्वादशी
8 द्वादशी	9 त्रयोदशी	10 चतुर्दशी	11 पूर्णिमा	12 आषाढ़ कृ.प्रतिपदा	13 द्वितीया	14 तृतीया
15 चतुर्थी	16 पंचमी	17 षष्ठी	18 सप्तमी	19 अष्टमी	20 नवमी/दशमी	21 एकादशी
22 द्वादशी	23 त्रयोदशी	24 चतुर्दशी	25 अमावस्या	26 आषाढ़ शु.प्रतिपदा	27 द्वितीया	28 तृतीया
29 चतुर्थी	30 पंचमी	7 बकरीद	27 रथयात्रा			

जून के मुख्य कृषि कार्य

- मई के अन्तिम सप्ताह में धान की नर्सरी नहीं डाली हो तो जून के प्रथम पखवाड़े तक धान की नर्सरी डाल लें। सुगन्धित प्रजातियों की नर्सरी जून के तीसरे सप्ताह में डालनी चाहिए।
- खरीफ मक्का की बुवाई 25 जून तक पूरी कर लें।
- मक्का बुवाई से पूर्व प्रति किग्रा बीज का 2.5 ग्राम थायरस से उपचारित कर लेना चाहिए।
- ज्वार की बुवाई जून के अन्तिम सप्ताह में करें।
- सिंचित दशा में अरहर की बुवाई जून के प्रथम सप्ताह में, अन्यथा सिंचाई के अभाव में वर्षा प्रारम्भ होने पर ही करें।
- अरहर बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित कर 60–70X15–20 सेमी की दूरी पर बोयें।
- मूंगफली की बुवाई जून के दूसरे पखवाड़े में करें।
- सोयाबीन की बुवाई जून के दूसरे पखवाड़े से ही की जा सकती है।
- जायद में बोई गई सूरजमुखी, उर्द व मूंग की कटाई मड़ाई का कार्य 20 जून तक अवश्य पूरा कर लें।
- वर्षा पूर्व मेड़बन्दी का कार्य पूर्ण कर लें।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

UP SEED

सी-973/74 बी, अयोध्या रोड , महानगर, लखनऊ
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow
CIN : U01122UP2002SGC026490

फोन : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई–मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

यू.पी.सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

जुलाई JULY 2025

SUN रवि	MON सोम	TUE मंगल	WED बुध	THU गुरू	FRI शुक्र	SAT शनि
6 मुहर्रम	10 गुरू पूर्णिमा	1 षष्ठी	2 सप्तमी	3 अष्टमी	4 नवमी	5 दशमी
6 एकादशी	7 द्वादशी	8 त्रयोदशी	9 चतुर्दशी	10 पूर्णिमा	11 श्रावण कृ.प्रतिपदा	12 द्वितीया
13 तृतीया	14 चतुर्थी	15 पंचमी	16 षष्ठी	17 सप्तमी	18 अष्टमी	19 नवमी
20 दशमी	21 एकादशी	22 द्वादशी / त्रयोदशी	23 चतुर्दशी	24 अमावस्या	25 श्रावण शु.प्रतिपदा	26 द्वितीया
27 तृतीया	28 चतुर्थी	29 पंचमी	30 षष्ठी	31 सप्तमी	29 नाग पंचमी	

जुलाई के मुख्य कृषि कार्य

- धान की मध्यम व देर से पकने वाली प्रजातियों की रोपाई माह के प्रथम पखवाड़े तक एवं शीघ्र पकने वाली प्रजातियों की रोपाई जुलाई के दूसरे पखवाड़े तक पूर्ण कर लें।
- धान की रोपाई से पूर्व 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दरे से जिंक सल्फेट खेत में मिला दें।
- धान की रोपाई कतारों में 20X10 सेमी की दूरी पर प्रति स्थान 2–3 पौधे लगायें।
- धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए खरपतवार नाशक का छिड़काव करें।
- मूंग, उर्द एवं अरहर की प्रति हेक्टेयर बुवाई के लिए 12–15 किग्रा बीज प्रयोग करें।
- बुवाई से पूर्व बीज को राइजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करें।
- समय से बोई गई मक्का में बुवाई के 15 दिन बाद प्रथम निराई–गुड़ाई, फिर एक सप्ताह के अन्तर पर दो बार गुड़ाई कर दें।
- नाइट्रोजन की 40 किग्रा मात्रा बुवाई के 30–35 दिन बाद पौधों के लगभग घुटनों तक की ऊंचाई के हो जाने पर कतारों में दें।
- ज्वार की बुवाई माह के प्रथम पखवाड़े तक कर लें।
- बाजरा की बुवाई 15 जुलाई के बाद पूरे माह की जा सकती है।
- बाजरा की बुवाई के लिए प्रति हेक्टेयर 4–5 किग्रा बीज की आवश्यकता होगी।
- मूंगफली की बुवाई माह के प्रथम सप्ताह तक पूरी कर लें।
- मूंगफली की बुवाई के 3 सप्ताह बाद निराई करके प्रति हेक्टेयर 100 किग्रा जिप्सम डालकर हल्की गुड़ाई कर दें।
- सोयाबीन की बुवाई के माह का प्रथम पखवाड़ा सबसे अच्छा है।
- बुवाई से पूर्व सोयाबीन के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित कर लें।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

UP SEED

सी-973 / 74 बी, अयोध्या रोड , महानगर, लखनऊ
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow
CIN : U01122UP2002SGC026490

फोन : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई–मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

यू.पी.सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

अगस्त AUGUST 2025

SUN रवि	MON सोम	TUE मंगल	WED बुध	THU गुरु	FRI शुक्र	SAT शनि
31 अष्टमी	9 रक्षाबंधन	15 स्वतंत्रता दिवस	16 श्रीकृष्ण जन्माष्टमी		1 अष्टमी	2 अष्टमी
3 नवमी	4 दशमी	5 एकादशी	6 द्वादशी	7 त्रयोदशी	8 चतुर्दशी	9 पूर्णिमा
10 भाद्रपद कृ.प्रतिपदा	11 द्वितीया	12 तृतीया	13 चतुर्थी	14 पंचमी / षष्ठी	15 सप्तमी	16 अष्टमी
17 नवमी	18 दशमी	19 एकादशी	20 द्वादशी	21 त्रयोदशी	22 चतुर्दशी	23 अमावस्या
24 भाद्रपद शु.प्रतिपदा	25 द्वितीया	26 तृतीया	27 चतुर्थी	28 पंचमी	29 षष्ठी	30 सप्तमी

अगस्त के मुख्य कृषि कार्य

- इस समय रोपाई के लिए धान की 40 दिन पुरानी पौध का प्रयोग करें तथा 15X10 सेमी की दूरी पर, प्रति स्थान 3–4 पौध लगायें।
- धान में नाइट्रोजन की टाप ड्रेसिंग से पूर्व खरपतवार निकाल दें तथा टाप ड्रेसिंग करते समय खेत में 2–3 सेमी से अधिक पानी न खड़ा हो।
- धान में खैरा रोग की रोकथाम के लिए जिंक सल्फेट का छिड़काव करें।
- धान में फुदके से बचाव के लिए छिड़काव करें।
- मक्का में नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर 40 किग्रा (87 किग्रा यूरिया) की दूसरी व अन्तिम टाप ड्रेसिंग बुवाई के 45–50 दिन बाद, नरमंजरी निकलते समय करनी चाहिए।
- मक्के की फसल में नरमंजरी व बाली बनते समय नमी की कमी नहीं होनी चाहिए अन्यथा उपज में 50 प्रतिशत तक कमी हो सकती है।
- ज्वार की फसल में विरलीकरण (थिनिंग) क्रिया द्वारा लाइन में पौधों की आपस की दूरी 15–20 सेमी कर देनी चाहिए।
- बाजरा की बुवाई माह के मध्य तक अवश्य पूरी कर लें।
- बाजरा की बुवाई के 15 दिन बाद, कमजोर पौधों को निकालकर लाइन में पौधों की आपस की दूरी 10–15 सेमी कर लेनी चाहिए।
- मूंग/उर्द के खेत में निराई–गुड़ाई करके खरपतवार निकाल दें।
- सोयाबीन की बुवाई के 20–25 दिन बाद निराई कर खरपतवार निकाल दें। आवश्यकतानुसार दूसरी निराई भी बुवाई के 40–45 दिन बाद करें।
- मूंगफली में दूसरी निराई–गुड़ाई बुवाई के 35–40 दिन बाद करके साथ ही मिट्टी भी चढ़ा दें।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

UP SEED

सी-973 / 74 बी, अयोध्या रोड , महानगर, लखनऊ
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow
CIN : U01122UP2002SGC026490

फोन : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई–मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

यू.पी.सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान

कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

सितम्बर SEPTEMBER 2025

SUN रवि	MON सोम	TUE मंगल	WED बुध	THU गुरु	FRI शुक्र	SAT शनि
17 विश्वकर्मा जयंती	1 नवमी	2 दशमी	3 एकादशी	4 द्वादशी	5 त्रयोदशी	6 चतुर्दशी
7 पूर्णिमा	8 आश्विन कृ.प्रतिपदा	9 द्वितीया	10 तृतीया	11 चतुर्थी	12 पंचमी	13 षष्ठी
14 सप्तमी	15 अष्टमी / नवमी	16 दशमी	17 एकादशी	18 द्वादशी	19 त्रयोदशी	20 चतुर्दशी
21 अमावस्या	22 आश्विन शु.प्रतिपदा	23 द्वितीया	24 तृतीया	25 चतुर्थी	26 चतुर्थी	27 पंचमी
28 षष्ठी	29 सप्तमी	30 अष्टमी	22 शारदीय नवरात्र			

सितम्बर के मुख्य कृषि कार्य

- धान में नाइट्रोजन की दूसरी व अन्तिम टाप ड्रेसिंग बाली बनने में प्रारम्भिक अवस्था में करें।
- धान के खेत में टाप ड्रेसिंग करते समय 2–3 सेमी से अधिक पानी नहीं होना चाहिए।
- धान में बालियां फूटने तथा फूल निकलने के समय पर्याप्त नमी बनाये रखने के लिए आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- मक्का में अधिक बरसात होने पर जल–निकास की व्यवस्था करें।
- मक्का की फसल में नर मंजरी निकलने की अवस्था एवं दाने की दुग्धावस्था में वर्षा न होने पर सिंचाई अवश्य करें ।
- ज्वार से अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए वर्षा न होने या नमी की कमी होने पर बाली निकलने के समय तथा दाना भरते समय सिंचाई करें।
- बाजरा की उन्नत/संकर प्रजातियों में नाइट्रोजन की शेष आधी मात्रा यानि 40–50 किग्रा की टाप ड्रेसिंग बुवाई के 25–30 दिन बाद करें।
- मूंग व उर्द में फली छेदक कीट की सूडियों की रोकथाम के लिए रसायन का छिड़काव करना चाहिए।
- सोयाबीन में वर्षा न होने पर फूल एवं फली बनते समय सिंचाई करें।
- मूंगफली में खूंटिया बनते (पेगिंग) समय तथा फलियां बनते समय पर्याप्त नमी बनाये रखने के लिए आवश्यकतानुसार सिंचाई अवश्य करें।
- तोरिया की बुवाई के लिए सितम्बर का दूसरा पखवाड़ा सबसे उत्तम है।
- तोरिया की बुवाई 30X10–15 सेमी पर 3–4 सेमी गहरी कूड़ो में करें।

SYMBOL OF QUALITY AND PROSPERITY * U.P. SEED DEVELOPMENT CORPORATION *
UP SEED

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी-973 / 74 बी, अयोध्या रोड , महानगर, लखनऊ | C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow

सीआईएन : U01122UP2002SGC026490 | CIN : U01122UP2002SGC026490

फोन : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई–मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

यू.पी.सीड का संकल्प – उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

अक्टूबर OCTOBER 2025

SUN रवि	MON सोम	TUE मंगल	WED बुध	THU गुरु	FRI शुक्र	SAT शनि
2 गांधी जयंती 2 दशहरा	10 करवा चौथ	20 दीपावली	1 नवमी	2 दशमी	3 एकादशी	4 द्वादशी
5 त्रयोदशी	6 चतुर्दशी	7 पूर्णिमा	8 कार्तिक कृ.प्रतिपदा/द्वितीया	9 तृतीया	10 चतुर्थी	11 पचंमी
12 षष्ठी	13 सप्तमी	14 अष्टमी	15 नवमी	16 दशमी	17 एकादशी	18 द्वादशी
19 त्रयोदशी	20 चतुर्दशी	21 अमावस्या	22 कार्तिक शु.प्रतिपदा	23 द्वितीया	24 तृतीया	25 चतुर्थी
26 पंचमी	27 षष्ठी	28 सप्तमी	29 अष्टमी	30 नवमी	31 दशमी	27 छठ पूजा

अक्टूबर के मुख्य कृषि कार्य

- धान में फूल आते समय तथा दाने की दूधियावस्था पर नमी बनाये रखने के लिए सिंचाई करें, परन्तु कटाई से 15 दिन पूर्व सिंचाई बन्द कर दें।
- धान में जीवाणु झुलसा रोग की रोकथाम के लिए छिड़काव करें।
- तना छेदक कीट की रोकथाम के लिए ट्राइकोग्राम नामक परजीवी को 8–10 दिन के अन्तराल पर छोड़ना चाहिए।
- गन्धीबग की रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करें।
- धान में भूरे फुदके की रोकथाम के लिए खेत से पानी निकाल दें।
- अरहर में फली छेदक कीट की रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करें।
- मूंगफली में फलियों की वृद्धि की अवस्था पर सिंचाई करें।
- तोरिया / लाही की बुवाई माह के प्रथम सप्ताह तक पूरी कर लें।
- तोरिया/लाही की बुवाई के 20 दिन के अन्दर निराई–गुड़ाई कर दें, साथ ही सघन पौधों को निकालकर पौधे से पौधे की दूरी 10–15 सेमी कर दें।
- राई/सरसों की बुवाई के लिए माह का प्रथम पखवाड़ा सबसे उपयुक्त है।
- राई/सरसों में प्रति हेक्टेयर 75 किग्रा नाइट्रोजन, 75 किग्रा फास्फेट व 75 किग्रा पोटाश का प्रयोग कूंडो में करें।
- असिंचित क्षेत्रों में गेहूं बोने का कार्य अक्टूबर के अन्तिम सप्ताह से प्रारम्भ करें।

SYMBOL OF QUALITY AND PROSPERITY
U.P. SEED DEVELOPMENT CORPORATION
UP SEED

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी-973 / 74 बी, अयोध्या रोड , महानगर, लखनऊ
सीआईएन : U01122UP2002SGCO26490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow
CIN : U01122UP2002SGCO26490

फोन : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई–मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

यू.पी.सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

नवम्बर NOVEMBER 2025

SUN रवि	MON सोम	TUE मंगल	WED बुध	THU गुरु	FRI शुक्र	SAT शनि
30 दशमी	5 गुरू नानक जयंती					1 एकादशी
2 द्वादशी	3 त्रयोदशी	4 चतुर्दशी	5 पूर्णिमा	6 मार्गशीर्ष कृ.प्रतिपदा	7 द्वितीया	8 तृतीया
9 चतुर्थी	10 पंचमी / षष्ठी	11 सप्तमी	12 अष्टमी	13 नवमी	14 दशमी	15 एकादशी
16 द्वादशी	17 त्रयोदशी	18 त्रयोदशी	19 चतुर्दशी	20 अमावस्या	21 मार्गशीर्ष शु.प्रतिपदा	22 द्वितीया
23 तृतीया	24 चतुर्थी	25 पंचमी	26 षष्ठी	27 सप्तमी	28 अष्टमी	29 नवमी

नवम्बर के मुख्य कृषि कार्य

- गेहूं बुवाई का सबसे अच्छा समय 5 से 30 नवम्बर तक का है।
- गेहूं का प्रमाणित अथवा सत्यापित एवं शोधित बीज ही बोयें।
- गेहूं बुवाई के 20–25 दिन बाद सिंचाई करना जरूरी है।
- पूर्वी उत्तर–प्रदेश में सिंचित क्षेत्र होने की दशा में जौ की बुवाई 15 नवम्बर तक और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा बुन्देलखण्ड के इलाके में 15 से 30 नवम्बर के मध्य पूरी कर लें।
- जौ की बुवाई 20 सेमी की दूरी पर 5–6 सेमी की गहराई में कूड़ों में करें।
- लाही की बुवाई के 15–20 दिन पर अथवा हर हालत में सिंचाई के पहले घने पौधों को निकालकर पौध से पौध की दूरी 10–15 सेमी कर लें।
- लाही की बुवाई के 30 दिन के बाद सिंचाई करें। इसके बाद ओट आने पर प्रति हेक्टेयर 50 किग्रा नाइट्रोजन की टाप ड्रेसिंग करें।
- राई की बुवाई के 15–20 दिन के बाद घने पौधों की छटनी करके पौधों की आपसी दूरी 15 सेमी कर लें।
- चना की बुवाई के 30–35 दिन के बाद निराई–गुड़ाई कर लें।
- मटर की बुवाई के 20 दिन के बाद निराई कर लें।
- मटर की बुवाई के 40–45 दिन बाद पहली सिंचाई करें। फिर 6–7 दिन बाद ओट आने पर हल्की गुड़ाई भी कर दें।
- मसूर की बुवाई के लिए 15 नवम्बर तक का समय अच्छा है।
- मसूर की बुवाई 20–25 सेमी की दूरी पर कतारों में करें।

SYMBOL OF QUALITY AND PROSPERITY * U.P. SEED DEVELOPMENT CORPORATION * UP SEED

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी-973 / 74 बी, अयोध्या रोड , महानगर, लखनऊ
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow
CIN : U01122UP2002SGC026490

फोन : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई–मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

यू.पी.सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

दिसम्बर DECEMBER 2025

SUN रवि	MON सोम	TUE मंगल	WED बुध	THU गुरु	FRI शुक्र	SAT शनि
	1 एकादशी	2 द्वादशी	3 त्रयोदशी	4 चतुर्दशी / पूर्णिमा	5 पौष कृ.प्रतिपदा	6 द्वितीया
7 तृतीया	8 चतुर्थी	9 पंचमी	10 षष्ठी	11 सप्तमी	12 अष्टमी	13 नवमी
14 दशमी	15 एकादशी	16 द्वादशी	17 त्रयोदशी	18 चतुर्दशी	19 अमावस्या	20 पौष शु.प्रतिपदा
21 प्रतिपदा	22 द्वितीया	23 तृतीया	24 चतुर्थी	25 पंचमी	26 षष्ठी	27 सप्तमी
28 अष्टमी / नवमी	29 दशमी	30 एकादशी	31 द्वादशी	25 क्रिसमस डे		

दिसम्बर के मुख्य कृषि कार्य

- देर से बोये गेहूं की बढ़वार कम होती है और कल्ले भी कम निकलते है, इसलिए गेहूं की बुवाई हेतु प्रति हेक्टेयर बीज दर बढ़ाकर 125 किग्रा कर लें।
- गेहूं का प्रमाणित अथवा सत्यापित एवं शोधित बीज ही बोयें
- बुवाई कतारों में हल के पीछे कूड़ों में या फर्टीसीड ड्रिल से करें।
- अगर खेत में जस्ते की कमी हो, तो बुवाई के समय प्रति हेक्टेयर 25 किग्रा जिंक सल्फेट का प्रयोग करें।
- गेहूं की बुवाई के 20–25 दिन पर पहली सिंचाई ताजमूल अवस्था पर और दूसरी सिंचाई 40–45 दिन पर कल्ले निकलते समय करें।
- बलुई दोमट भूमि में नाइट्रोजन की शेष 40 किग्रा मात्रा दूसरी सिंचाई के समय प्रयोग करें।
- गेहूंसा या गेहूं के मामा एवं अन्य सकरी पत्ती वाले खरपतवार की रोकथाम के लिए क्लोडिनाफॉप (टौपिक/पांइट) 160 ग्राम प्रति एकड़ को 150 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- चौड़ी पत्ती के खरपतवार जैसे बथुआ, जंगली पालक, हिरनखुरी आदि के लिए मैट सल्फ्यूरॉन (एलग्रीप) 8 ग्रा. को 150 ली. पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़काव करें।
- सकरी एवं चौड़ी पत्ती दोनो प्रकार के खरपतवार की रोकथाम के लिए आईसोप्रोट्यूरॉन 500ग्रा. प्रति एकड़ या सल्फासल्फ्यूरॉन 13.5 ग्रा. प्रति एकड़ 150 ली. पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- जौ में पहली सिंचाई, बुवाई के 30–35 दिन बाद कल्ले बनते समय करनी चाहिए।
- चना की बुवाई के 45–60 दिन के बीच पहली सिंचाई कर दें।
- चने के झुलसा रोग की रोकथाम के लिए छिड़काव करें।
- मटर की बुवाई के 35–40 दिन पर पहली सिंचाई करें।
- मसूर की बुवाई अभी भी कर सकते है, लेकिन प्रति हेक्टेयर 55 से 75 किग्रा बीज लगेगा।
- मसूर की बुवाई के 45 दिन बाद पहली हल्की सिंचाई करें। ध्यान रखें कि खेत में पानी खड़ा न रहे।
- राई–सरसों की बुवाई के 55–65 दिन पर फूल निकलने के पहले ही दूसरी सिंचाई कर दें।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

UP SEED

सी-973 / 74 बी, अयोध्या रोड , महानगर, लखनऊ
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow
CIN : U01122UP2002SGC026490

फोन : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई–मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org